



## वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक रपिर्ट 2021 : अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी

### प्रलिस के लयि:

वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी

### मेन्स के लयि:

भारत में ऊर्जा उपयोग की समग्र स्थिति और इस संबंध में सरकार द्वारा कयि गए प्रयास

## चर्चा में क्यो?

हाल ही में [अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी](#) ( International Energy Agency-IEA) ने [वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक](#) (WEO) रपिर्ट 2021 जारी की।

- **वार्षिक रूप से प्रकाशति WEO** रपिर्ट ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के अनुमानों पर महत्त्वपूर्ण वश्लेषण और अंतरदृष्टि प्रदान करती है।
- वर्ष 2021 की रपिर्ट ने [कॉन्फरेंस ऑफ पार्टिज \(COP26\)](#) शखिर सम्मेलन (ग्लासगो, यूके में) में **जलवायु कार्रवाई के लयि सरकारों पर अधिक दबाव का संकेत** दयि।
- इससे पूर्व अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) द्वारा **शुद्ध शून्य उत्सर्जन (Net Zero Emissions - NZE)** हेतु **'नेट जीरो बाय 2050'** (Net Zero by 2050) नाम से रोडमैप जारी कयि गया है।

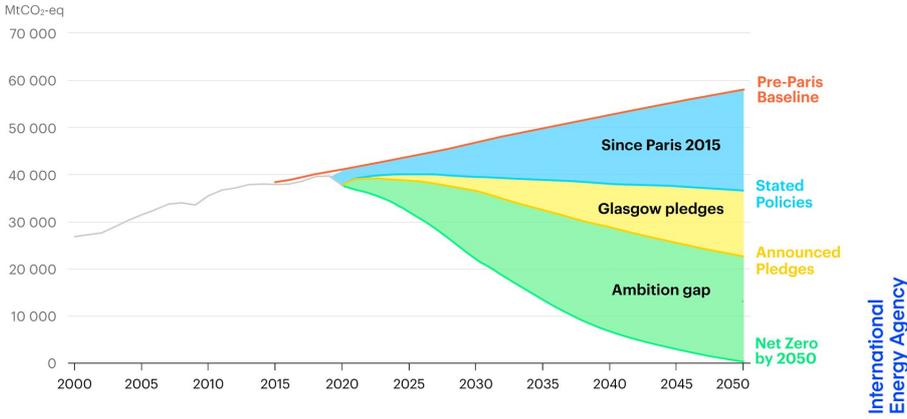
## प्रमुख बडि

- **अक्षय ऊर्जा के योगदान को बढावा:**
  - **अक्षय ऊर्जा स्रोतों** जैसे क सौर, पवन, जलवदियुत और बायोएनर्जी को कोरोनावायरस महामारी के उपरांत ऊर्जा नविश को पुनः एक बडा हसिसा बनाने की आवश्यकता है।
    - वशिव भवषिय की **ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लयि पर्याप्त नविश नहीं** कर रहा है, और अनश्चितताएँ भवषिय में एक अस्थिर अवधि के लयि मंच तैयार कर रही हैं।
  - अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार बढ रही है। हालाँकविरष **2050 तक वैश्विक उत्सर्जन को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्ति करने हेतु यह स्वच्छ ऊर्जा प्रगति अभी भी बहुत धीमी** है, IEA का मानना है क इससे वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमति करने में मदद मल्लिगी।
  - **प्रारंभ में IEA ने जीवाश्म ईंधन में नरितर नविश** का समर्थन कयि। हालाँकयिह धीरे-धीरे **"जलवायु परिवर्तन** को कम करने के लयि नरिणय नरिमाताओं से आग्रह करने वाले **अधिक वशिष्ट मुद्दों"** की ओर बढ गया है।
- **उत्सर्जन में कमी के उपाय:**
  - अतरिकित नविश करना उतना मुश्कलि नहीं है जतिना लगता है। आवश्यक **उत्सर्जन में कमी का 40% से अधिक उन उपायों से संभव है जो स्वयं के लयि भुगतान करते हैं**, जैसे:
    - दक्षता में सुधार, गैस रसिाव को सीमति करना या उन जगहों पर पवन या सौर क्षमता स्थापति करना जहाँ वे अब सबसे अधिक प्रतसिप्रदधी बजिली उत्पादन प्रौद्योगकियि हैं।
- **वभिनिन परदृश्य:** IEA ने दो संभावति परदृश्यों का वश्लेषण कयि:
  - **घोषति नीतियों का परदृश्य (चरण):**
    - यह उन **उपायों और नीतियों को कवर करता है जिन्हें सरकारें पहले ही लागू कर चुकी** हैं। उपायों के बावजूद दुनयिा भर में वार्षिक उत्सर्जन का आँकडा उतना ही होगा जतिना वकिसशील देश अपने बुनयिादी ढाँचे का नरिमाण करते हैं।
    - इस परदृश्य में वर्ष 2100 में तापमान **पूर्व औद्योगिक स्तरों से 2.6 डिग्री सेल्सियस अधिक** होगा।
  - **शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लयि प्रतबिद्धता:**
    - यह **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन स्थिति प्राप्ति करने के लयि सरकारों की प्रतबिद्धता का आकलन** करते हुए संभावति रूप से अगले दशक हेतु उनके स्वच्छ ऊर्जा नविश को दोगुना करता है।
    - यदी देश समय पर इन प्रतबिद्धताओं को लागू करने का प्रबंधन करते हैं, तो **वर्ष 2100 तक वैश्विक औसत तापमान वृद्धि लगभग 2.1 डिग्री सेल्सियस** होगी, लेकिन यह सुधारात्मक प्रयास [पेरिस समझौते](#) के तहत सुनश्चिति कयि गए 1.5 सेल्सियस

से काफी अधिक है।

## Global CO<sub>2</sub> emissions by scenarios, 2000-2050

World Energy Outlook 2021



### ■ प्रमुख सुझाव:

- **स्वच्छ वदियुतीकरण:**
  - इसके लिये घोषित प्रतबिद्धता परदृश्यों के सापेक्ष सौर पीवी और पवन परनियोजन को दोगुना करने की आवश्यकता है।
- **कम उत्सर्जन दर:**
  - जहाँ स्वीकार्य हो वहाँ **परमाणु ऊर्जा के उपयोग** सहित अन्य कम-उत्सर्जन उपायों को अपनाना; बजिली के बुनयादी ढाँचे और जलवदियुत सहित सभी प्रकार की प्रणालियों में लचीलापन बढ़ाना; कोयले का चरणबद्ध उपयोग; परविहन और हीटिंग के लिये बजिली के उपयोग को बढ़ाने हेतु एक अभियान का संचालन कथिा जा रहा है।
- **ऊर्जा दक्षता:**
  - उपकरण दक्षता और व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से ऊर्जा सेवा की मांग को कम करने के उपायों के साथ-साथ **ऊर्जा दक्षता** पर नरितर ध्यान केंद्रित करना।
- **मीथेन उत्सर्जन में कमी:**
  - जीवाश्म ईंधन के उपयोग से **मीथेन उत्सर्जन** में कटौती करके और **स्वच्छ ऊर्जा नवाचार** को एक बड़े योगदानकर्त्ता के रूप में बनाने हेतु एक अभियान का संचालन कथिा जा रहा है।
- **स्वच्छ ऊर्जा का दशक:**
  - वर्ष 2020 को बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा परनियोजन का दशक बनाने के लिये **COP26 के उपायों को लागू कर वशिष्ट परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।**

## भारत संबंधी वशिष्ट परिणाम

- **जनसंख्या और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 2020-2050:**
  - भारत इस दशक में चीन की आबादी को पार कर **सबसे अधिक आबादी वाला देश** बन जाएगा और वर्ष 2050 तक भारत की आबादी 1.6 बिलियन से अधिक हो जाएगी, जबकि चीन की आबादी में कमी आने का अनुमान है।
  - अगले तीन दशकों में भारत की **जीडीपी** औसतन चीन की तुलना में तेज़ी से बढ़ेगी [भारत का 5.3% बनाम चीन का 3.6%]।
- **कोयला उत्पादन:**
  - भारत में वतितीय रूप से तनावग्रस्त कोयला **परसिंपत्तियों** (NPA) के 50 गीगावाट से अधिक उत्सर्जन ने बैंकगि प्रणाली में **तनाव उत्पन्न** कर दथिा है।
  - भारत में **कोयले की मांग वर्ष 2030 तक लगभग 30% बढ़ने का अनुमान** है।
  - देशों की प्रतबिद्धता के अनुसार, अनुमान है कि चीन के बाद **अबाधति कोयले का अगला सबसे बड़ा उपयोगकर्त्ता भारत होगा**, जो वर्ष 2030 तक बजिली उत्पादन के लिये वैश्विक उपयोग के लगभग 15% हेतु ज़म्मेदार होगा।
- **वायु प्रदूषण:**
  - स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में तेज़ी लाने में वफिलता की स्थिति तब उत्पन्न होगी जब वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण के संपर्क में आने वाले लोगों का आवागमन जारी रहेगा।
  - हाल ही में भारत में समय से पूर्व होने वाली 1.67 मिलियन मौतों का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण को माना गया है यानी वायु प्रदूषण से हर मिनट में तीन से अधिक मौतें होती हैं।
- **भारत के प्रयासों की सराहना:**
  - स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं हेतु पूंजी जुटाने में वकिसशील अर्थव्यवस्थाओं ने उल्लेखनीय कार्य कथिा है और इसमें वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से 450 GW ऊर्जा प्राप्त करने हेतु सौर **फोटोवोल्टिक** (pv) के तीव्र वसितार के लिये वतितपोषण में भारत की सफलता एक प्रमुख उदाहरण है।

- [वशिव सवास्थय संगठन](#) ने अपने एक हालिया सर्वेक्षण में बताया है कि भारत में खाना पकाने के 'स्वच्छ माध्यमों' तक पहुँच में सुधार हुआ है।

- इसके मुख्य कारणों में '[प्रधानमंत्री उज्ज्वला एलपीजी वतिरण योजना](#)' आदि शामिल हैं।

#### ■ सफिररशें

- इस रपिरट में भारत में 'एयर कंडीशनर' के लयि 24 डगिरी सेल्सयिस के डफिल्ट सेट पॉइंट तापमान को अनविर्य करने एवं दकषता में सुधार के उददेश्य से सख्त न्यूनतम प्रदर्शन मानकों को अनविर्य करने का आह्वान कयि गया है, क्योकिसमय के साथ कूलगि एवं बजिली की मांग बढ रही है।

## आगे की राह

- दुनयि भर के वभिन्न देशों को आगामी 30 वर्षों के भीतर ऊर्जा क्षेत्र को लागत प्रभावी तरीके से बदलने का एक कठनि कार्य करना है, साथ ही इस अवधि में वशिव अर्थव्यवस्था आकार में दोगुने से अधिक हो जाएगी और वैश्वकि जनसंख्या में 2 अरब लोगों की वृद्धि होगी।
- वर्ष 2050 तक दुनयि को शुद्ध शून्य उत्सर्जन तक पहुँचने की आवश्यकता प्रमुख अंतरमि कदमों में नहिति है, जनिहें वर्ष 2030 तक उठाए जाने की आवश्यकता है, जसिमें हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा से सस्ती एवं हरति ऊर्जा को सभी के लयि सुलभ बनाना शामिल है।

## स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-energy-outlook-report-2021-ia>